S-220

Total Pages : 3 Roll No. .....

MAHL-611

उत्तराखण्ड का लोक साहित्य (भाग दो)

एम.ए. हिन्दी (MAHL)

4th Semester Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×19=38)

1. गढ़वाली लोक साहित्य का विस्तृत परिचय दीजिए।

2. लोक की परिभाषा देते हुए गढ़वाली लोक साहित्य की विशिष्टता को रेखांकित कीजिए।

3. गढ़वाली कविता के आधुनिक परिदृश्य पर निबंध लिखिए।

4. गढ़वाली लोकगीतों की विशेषता बताते हुए लोकगीतों के महत्त्व को प्रतिपादित कीजिए।

5. गढ़वाली लोकसाहित्य के इतिहास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×8=32)

1. ग्रियर्सन द्वारा विभाजित गढ़वाली के भेदों के चर्चा कीजिए।

2. गढ़वाली लोकगीतों का वर्गीकरण कीजिए।

3. चैती ऋतु गीत का परिचय दीजिए।

4. गढ़वाली लोकगीत के कथानक और शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

5. "जागर धार्मिक अनुष्ठान है अथवा लोकाभिव्यक्ति" स्पष्ट कीजिए।

6. गढ़वाली संस्कार गीत क्या है? सोदाहरण समझाइए।

7. गढ़वाली लोकगाथा की परम्परा को स्पष्ट कीजिए।

8. रमोली (रमोल) क्या है संक्षिप्त निबंध लिखिए।